केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए :

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय - २

रविवार, ५ जुलाई, २००९ **समय : दोपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१	

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''भक्त भगवान में कैसी प्रीति होनी चाहिए ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''क्या ये स्वामिनारायण नहीं हैं ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''अभी अभी मैंने नीम के वृक्ष के नीचे बैठा एक मनुष्य देखा है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. मंत्री पुत्र ने राजकुमार की गर्दन पर चीरा लगाया फिर भी राजकुमार ने मंत्री पुत्र से कुछ नहीं पूछा ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. गोरधनभाई श्रीजीमहाराज को पेड़े खिलाने के बजाय अपने आप खाने लगे ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२	

३. भगवान के भक्त को किसी समय कुसंग नहीं करना चाहिए ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ ''हिमराज शाह ।'' – **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४	

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. वचनामृत गढ़डा अंत्य ३८ के अनुसार कौन जीवन में और मरने के बाद सुखी नहीं होता ? | गुण : १ |

.....

.....

२. सत्संगियों के पाँच वर्तमान कौन कौन से हैं ? | गुण : १ |

.....

.....

३. 'रे श्याम तमे साचुं नाणुं' इस पद के रचयिता कौन है ? | गुण : १ |

.....

.....

४. श्रीजीमहाराज को सर्वोपरि भगवान जानने के बाद राजबाई ने कौन सा निश्चय कर लिया ? | गुण : १ |

.....

.....

५. श्रीजीमहाराज ने हरिभक्तों को किन पाँच देवताओं के प्रति श्रध्धा-आदर रखने की आज्ञा दी है ? | गुण : १ |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण - १६ - **का विवरण लिखिए । (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-५		प्र-६	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. जरकसीओ जामो .....

.....

..... मारे भावता रे । गुण : २ [ ]

२. रे मूरख .....

.....

.....

..... तम उपर वारु । गुण : २ [ ]

३. अन्यक्षेत्रे .....

.....

..... भविष्यति । गुण : २ [ ]

४. गुणिनां गुणवत्ताया ..... विदोऽप्यधः ॥ – श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

.....

.....

.....

..... गुण : २ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-७	

विभाग - २ : प्रागजी भक्त

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''जूनागढ़ जाओ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

२. ''क्या खूब प्रसन्नता बरसायी ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

३. ''मैं कहाँ गया हूँ ? तुम में तो मैं अखण्ड रहता हूँ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. उना में गुणातीतानंद स्वामी को डाँट देने की बात मन में ही रह गई ।

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : २ |

२. गुणातीतानन्द स्वामी चांदनी देखकर रो पड़े ।

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : २ |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८		प्र-९	

३. गुणातीतानन्द स्वामी ने कहा, ''वापस ले लेना कोई बच्चों का खेल नहीं हैं, इसकी जड़ें तो पाताल तक चली गई हैं ।''

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ९ ''जूनागढ़ में अपूर्व सम्मान ।'' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१०		प्र-११	

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. गुणातीतानन्द स्वामी ने प्रागजी भक्त को किसकी सेवा करने के लिए कहा ? गुण : १

.....

.....

२. प्रागजी भक्त गुणातीतानन्द स्वामी की प्रसन्नता के लिए मन्दिर में क्या क्या सेवाएँ करते थे ? गुण : १

.....

.....

३. भगतजी महाराज यज्ञपुरुषदास को क्या कहा करते थे ? गुण : १

.....

.....

४. भगतजी महाराज ने अठ्ठारह हजार जपमाला क्यूं फेरी ? गुण : १

.....

.....

५. सच्चा ज्ञान किसे कहते है ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. बालमुकुन्ददासजी प्रागजी भक्त को पुकारकर बुलाने को गये तब कहा । गुण : २

(१) ☐ क्या आप स्वयं अक्षरब्रह्म हैं ?

(२) ☐ आप हरिभक्तों के पाप जला देते हैं और शुद्ध कर देते हैं, परन्तु पीछे क्या होगा ?

(३) ☐ गुणातीत जागो ।

(४) ☐ प्रागजी भक्त, जागो, तुम्हें स्वामी बुला रहे हैं ।

२. प्रागजी भक्त ने गुणातीतानन्द स्वामी से क्या मांगा ? गुण : २

(१) ☐ अपना ज्ञान दो । (२) ☐ महाराज के दर्शन करा दो ।

(३) ☐ अपने धाम के दर्शन करवाओ । (४) ☐ मुझे मुक्त बनाओ ।

३. भगतजी महाराज ने अहमदाबाद मन्दिर में श्रीजीमहाराज की महिमा की बातें करते हुए कहा । गुण : २

(१) ☐ ऐसे अनन्त श्रीमद्नारायण एक पैर पर खड़े होकर इस मूर्ति का रटण करते हैं ।

(२) ☐ मैं तो केवल दरजी हूँ । चार टाँके तोडता हूँ तो चार टाँके लगाता हूँ ।

(३) ☐ जीव में से माया और जगत निकालता हूँ ।

(४) ☐ भगवान और संत से जोड़ता हूँ ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१२	

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **जूनागढ में गुणातीतानन्द स्वामी का संग :** नित्यानन्द स्वामी का वियोग हो जाने से जागा भक्त को बड़ी पीड़ा होने लगी तब धर्मानन्द ब्रह्मचारी उन्हें वरताल में पुरुषोत्तम स्वामी के पास लाये तब स्वामी ने कहा, ''वन का राजा कहाँ से आया ?''

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **वांसदा के दीवान के साथ सत्संग :** विज्ञानदासजी के प्रसंग से वांसदा के दीवान नडियाद के देसाई रावजीभाई मगनभाई को जागा भक्त की सेवा करने की इच्छा से अहमदाबाद के आचार्य महाराज और बेचर भगत पर उन्होंने चार-पाँच पत्र लिखे ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **साक्षात्कार :** प्रागजी भक्त ने पोने चार दिन तक निष्कामभाव से सेवा की इसलिए गोपालानन्द स्वामी ने उन्हें सभामंडप में बिठाया । ग्यारहवे दिन दोपहर को गुणातीतानन्द स्वामी के दर्शन हुए ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **जूनागढ में अपूर्व सम्मान :** जूनागढ के अमीन हरिभक्त आचार्य जटाशंकर ने अपने शिष्य मणीलाल भट्ट से कहा, ''यह जागा भक्त जैसे चमार गद्दी के ऊपर बैठे हैं और आचार्य उसे दण्डवत् करते हैं ।''

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **सत्संग में पुनःप्रवेश :** गढ़डा में भीमजीभाई कोठारी के भांजे गणपतभाई ने आत्मस्थिति सिद्ध करने के लिए गोपीनाथ महाराज की मूर्ति के आगे एक पैर पर खड़े होकर जनमंगल का पाठ शुरु किया ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **अन्तिम लीला :** संवत् १८५८ में पोष कृष्णा १४ को दोपहर से डुंगर भक्त की देहदशा सोचनीय हो गई और उन्होने बोलना प्रारंभ कर दिया, ''मुझे जूनागढ ले चलो ।''

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**